by the All India Leprosy Convention organised by the Bharat Mata Kusht Ashram;

(b) what are the main demands of the leprosy patients; and

(c) what specific steps are being taken by Government to rehabilitate the leprosy patients?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) to (c) The Bharat Mata Kusht Ashram, Faridabad submitted a copy of their letter dated 11-1-87 to the Ministry of Welfare which was addressed to the Chief Minister of Haryana. Their main demands are:—

(i) Ration to those who are just unable to do any work

(ii) Humble dwelling units;

(iii) Employment opportunities to those who are fit to work etc.

Assistance is provided by the Ministry of WeTfare to Voluntary Organisation for Vocatipnal rehabilitation Of disabled leprosy patients.

TViere is also a Scheme under the National Leprosy Eradication Programme for the establishment of Leprosy Rehabilitation Promation Units to provide vocational training to cured Leprosy patient3.

एक ही रोग के लिए एकाधिक औषधियां

2792. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बता की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में एक ही रोग के लिए एकाधिक औ धियां बेचे जाने की अनमति है :

(ख) यदि हां, तो उस रोग के लिये इस प्रकार मे बेचे जाने के लिये अनुमति प्राप्त औषधियों के नाम क्या है : और

(ग) इस प्रकार की अनुमति प्रदान करने का औचित्य और कारण क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) से (ग) विभिन्न औषधें एक ही रोग की रोकथाम, उपशमन और उपचार की क्रिया में विभिन्न तरीकों से काम करती हैं। एक ही तरीके से काम करने वाली औषधें भिन्न-भिन्न रोगियों द्वारा भिन्न-भिन्न ढंग से पचाई जाती हैं। इसी भांति, जहां तक प्रभावकारिता का संबंध है, विभिन्न औषधें एक ही रोग के लिये विभिन्न प्रभाव डालती हैं। एक ही रोग के लिये किसी औषध का चयन रोग की अवधि, रोग की गम्भीरता, रोग उत्पन्न करने वाले कारकों, रोगी के वैयक्तिक वृत्तांत, रोगी के पारिवारिक वृत्तांत, क्लिनिकल और प्रयोगशाला निदानों तथा रोगी द्वारा खाई जा रही अन्य औषधों आदि को ध्यान में रखकर किया जाता है। इस प्रकार एक ही रोग के इलाज के लिये एक से अधिक औषधों की जरूरत हो सकती है।

बिहार में स्टीमर-सेवा

2793. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार में बरारीघाट, सुल्तानगंज, कहलगांव और मुंगेर खण्ड में भारतीय अन्तर्देशीय जल मार्ग प्राधिकरण द्वारा स्टीमर सेवा के प्रचालन के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया गया था, लेकिन अब इस प्रस्ताव को छोड़ दिया गया है, और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ख) सरकार वहां से स्टीमर-सेवा कब तक आरम्भ करने का विचार रखती है ?